
अनुक्रमणिका


गद्य एवं पद्य (Prose and Poetry)				
क्रम	प्रकरण	विधा	भाषायी कौशल (Language Skills)	पृष्ठ संख्या
1	लालू (शरतचंद्र चट्टोपाध्याय)	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	5
2	अपना-अपना भाग्य (जैनेंद्र कुमार)	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	12
3	बाबू बारात में (विष्णु प्रभाकर)	हास्य-व्यंग्य	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	24
4	पंच परमेश्वर (मुंशी प्रेमचंद)	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	31
5	नीति के दोहे	दोहा	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	47
6	कोशिश करने वालों की हार नहीं होती (सोहनलाल द्विवेदी)	कविता	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	51
7	अंधेर नगरी (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र)	एकांकी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	55
व्याकरण (Grammar)				
1	संज्ञा (Noun)		पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	65
2	सर्वनाम (Pronoun)		पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	68
3	क्रिया (Verb)		पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	72
4	विशेषण (Adjective)		पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	75
5	लिंग (Gender)		पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	77
6	वचन (Numbers)		पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	79
7	मुहावरे (Idioms)		पठन कौशल (Reading Skill)	81
8	लोकोक्ति (Proverb)		पठन कौशल (Reading Skill)	83
9	वाक्यांश के लिए एक शब्द (One word substitution)		पठन कौशल (Reading Skill)	86
10	विलोम शब्द (Antonyms)		पठन कौशल (Reading Skill)	87
11	पर्यायवाची शब्द (Synonyms)		पठन कौशल (Reading Skill)	88

सृजनात्मक लेखन (Creative writing)			
क्रम	विधा	भाषायी कौशल (Language Skills)	पृष्ठ संख्या
1	पत्र लेखन (Letter writing)	लेखन कौशल (Writing Skills)	91
2	ई-मेल लेखन (E-mail writing)	लेखन कौशल (Writing Skills)	100
3	अपठित गद्यांश (Unseen passage)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	105
4	निबंध लेखन (Essay writing)	लेखन कौशल (Writing Skills)	114
5	चित्र वर्णन (Picture composition)	लेखन कौशल (Writing Skills)	122
6	भाषण लेखन (Speech writing)	लेखन कौशल (Writing Skills)	130
7	डायरी लेखन (Diary writing)	लेखन कौशल (Writing Skills)	136
8	सारांश लेखन (Summary writing)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	142
9	टिप्पणी लेखन (Note making)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	148
श्रवण कौशल (Listening Skill)			
1	वार्तालाप (संवाद) एवं उद्घोषणा (Conversation and announcements)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	159
2	समाचार (News)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	162
3	कहानी (Story)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	167
4	साक्षात्कार एवं फिल्म समीक्षा (Interview and Film Review)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	170
4	व्यक्तित्व परिचय एवं ज्ञानवर्द्धक (Introducing personality and Informative)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	171
मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking Skill)			
1	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल - परिचय, महत्व, उद्देश्य, विधियाँ, समस्याएँ, समाधान एवं विषय	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking Skill)	173

शब्द संपदा

मिस्त्री - कारीगर
बलि - बकरे की बलि, बलिदान
अनिष्ट - अनर्थ, भारी नुकसान
खड्ग - तलवार
कोलाहाल - शोर
शपथ - सौगंध
अक्सर - बहुधा
असीम - अपार
बलि - आहुति



परिचर्चा

‘क्या निरीह पशुओं की बलि देना उचित है?’ इस विषय पर अपने मित्रों से चर्चा कीजिए।

साहित्यिक विमर्श



महादेवी वर्मा की ‘गिल्लू’ कहानी को पढ़िए।

परियोजना कार्य



ऐसी अन्य कुरीतियों की सूची बनाइए तथा उनके इतिहास के बारे में जानिए।

विचार लेखन



किसी सामाजिक बुराई पर एक लेख लिखिए।

विचाराभिव्यक्ति



बलि देने की परंपरा का विरोध करते हुए अपनी विद्यालय की प्रार्थना सभा के लिए एक भाषण तैयार कीजिए।

कियाकलाप/गतिविधि



प्रस्तुत कहानी को संवाद में रूपांतरित करके उसका मंचन कीजिए।

प्रश्न - 2 नीचे लिखे वाक्यों के कुछ विकल्प दिए हैं। उनमें से सही विकल्प के आगे (✓) लगाइए -

क- मन का विश्वास किसमें साहस भरता है।

- | | |
|------------------|-------------------|
| 1- रगों में () | 2- चींटी में () |
| 3- पशुओं में () | 4- मनुष्य में () |

ख- किसी मेहनत बेकार नहीं होती।

- | | |
|------------------|----------------------------|
| 1- मनुष्य की () | 2- कोशिश करने वालों की () |
| 3- चींटी की () | 4- सब लोगों की () |

ग- मोती कैसे मिलता है ?

- | | |
|--------------------------------|-----------------|
| 1- कठिनाईयों में () | 2- आसानी से () |
| 3- बार-बार प्रयत्न करने से () | 4- सागर से () |

घ- लहरों से डरकर क्या पार नहीं होती ?

- | | |
|-------------|-------------|
| 1- पतंग () | 2- कार () |
| 3- नौका () | 4- जहाज () |

प्रश्न - 3 नीचे दी गई पंक्तियों में किया शब्द रेखांकित कर किया का प्रकार लिखिए।

	काव्यपंक्ति	किया
उदाहरण -	कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती	<u>अकर्मक</u>
क-	नहीं चींटी जब दाना लेकर चलती है।
ख-	डुबकियाँ सिंधु में गोताखोर लगाता है।
ग-	मुट्टी उसकी खाली हर बार नहीं होती।
घ-	जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम।
ङ-	असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो।

प्रश्न - 4 नीचे दिए गए शब्दों के विपरीतार्थी शब्द दायीं ओर से चुनकर उनके वर्ण कोष्ठक में लिखें।

1- विश्वास	<input type="text"/>	क- बैचेन
2- हार	<input type="text"/>	ख- उथला
3- चढ़ना	<input type="text"/>	ग- असहज
4- खाली	<input type="text"/>	घ- अविश्वास
5- सहज	<input type="text"/>	ङ- सफलता
6- गहरा	<input type="text"/>	च- पराजय
7- असफलता	<input type="text"/>	छ- जीत
8- स्वीकार	<input type="text"/>	ज- उतरना/गिरना
9- चैन	<input type="text"/>	झ- भरा
10- जय	<input type="text"/>	ञ- अस्वीकार

व्याकरण (Grammar)

- संज्ञा (Noun)
- सर्वनाम (Prnoun)
- क्रिया (Verb)
- विशेषण (Adjective)
- लिंग (Gender)
- वचन (Numbers)
- मुहावरे (Idioms)
- लोकोक्ति (Proverb)
- वाक्यांश के लिए एक शब्द
(One word substitution)
- विलोम शब्द (Antonyms)
- पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

निबंध लेखन करते समय ध्यान देने योग्य बातें -

- 1- निबंध लिखने से पूर्व विषय को समझ लेना बहुत जरूरी है। विषय को पहले जानें और समझें।
- 2- दिए गए विषय की एक रूपरेखा बना लें, उसी के अनुसार विषय को कुछ बिंदुओं में बाँटें।
- 3- रूपरेखा-लेखन करते समय ध्यान रहे कि ऊपर की बात उसके ठीक नीचे की बात से जुड़ी होनी चाहिए, जिससे विषय का क्रम बना रहे।
- 4- विषय को क्रमबद्ध तरीके से लिखिये। आपकी बात इससे आसानी से दूसरों की समझ में आयेगी।
- 5- पुनरावृत्ति दोष से बचना चाहिए, एक मुद्दे या बिंदु का वर्णन करने के बाद दोबारा आगे उसका जिक्र न करें।
- 6- अपनी बात को स्पष्ट रूप से कहें. न तो बात को अधूरा छोड़ें और न ही अनावश्यक विस्तार दें।
- 7- भाषा सरल, सहज और बोधगम्य हो. भाषा को स्पष्ट बनाने के लिए यथासम्भव छोटे वाक्यों का प्रयोग करें।
- 8- उन्हीं तथ्यों को प्रस्तुत करें जो सत्य एवं प्रासंगिक हों. आपकी बातों में झूठ, बनावटीपन या अधूरा ज्ञान नहीं झलकना चाहिए।
- 9- निबंध का प्रारम्भ किसी कहावत, उक्ति, सूक्ति आदि से किया जाए।
- 10- विषय को प्रामाणिक बनाने के उद्देश्य से हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, उर्दू की सूक्तियाँ, मुहावरे एवं उद्धरण भी बीच-बीच में देते रहना चाहिए।
- 11- भूमिका/प्रस्तावना में विषय का सामान्य परिचय तथा उपसंहार में विषय का निष्कर्ष होना चाहिए। उपसंहार में अपनी बात का मूल तत्व या सारांश लिखें।

निबंध लेखन की प्रक्रिया -

मुख्य बिंदुओं का चयन

कमवार ↓ प्रस्तुतिकरण

↓
प्रस्तावना

निबंध ↓ विस्तार

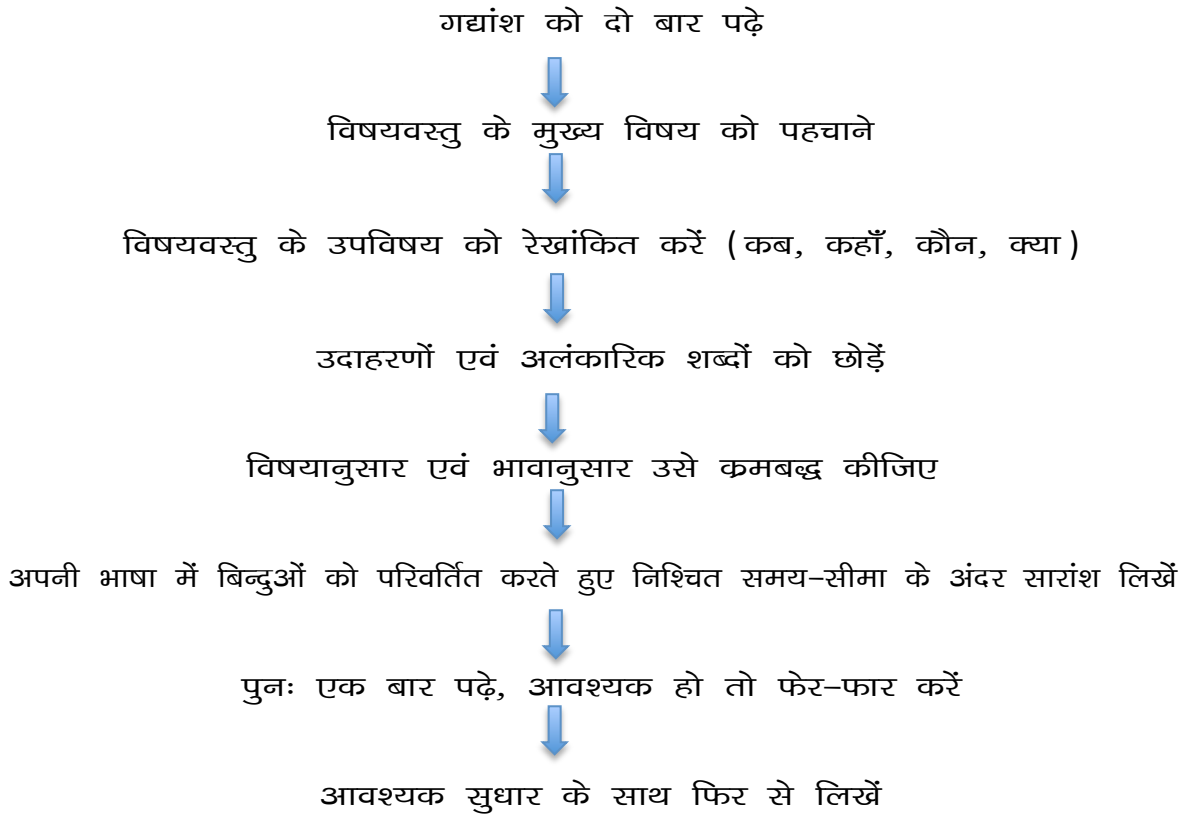
↓
अंत

सारांश लेखन

अंग्रेजी के 'summary' शब्द का हिन्दी रूपान्तर सारांश है। आधुनिक युग में समय के अभाव के कारण लोगों के पास इतने मोटे-मोटे उपन्यास आदि को पढ़ने का समय नहीं होता। अतः ऐसे समय में सारांश की महत्ता और बढ़ जाती है। सारांश में विषय के सभी अंशों को संक्षेप में दिखाया जाता है और अनुपयोगी अंशों का निकाल दिया जाता है। सारांश लेखन करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- १- सर्वप्रथम दी गई सामग्री को कम से कम दो बार अवश्य पढ़ना चाहिए।
- २- सारांश को सदैव 'Third Person' अन्य पुरुषवाचक में लिखना चाहिए।
- ३- सारांश में केन्द्रीय भाव को ढूँढ़ने और समझने की कोशिश करनी चाहिए।
- ४- सारांश को उपयुक्त शीर्षक अवश्य देना चाहिए।
- ५- सारांश लिखते समय सरल, सीधी एवं सारगर्भित भाषा का प्रयोग करना चाहिए।
- ६- सारांश अपनी भाषा में लिखना चाहिए। अवतरण से वाक्य उतारना उचित नहीं है।
- ७- सारांश गद्यांश का लगभग एक तिहाई होना चाहिए।
- ८- प्रसंग बदलने के साथ-साथ अनुच्छेद भी बदलना चाहिए।
- ९- सारांश में क्रमबद्धता होनी चाहिए।

सारांश लेखन की प्रक्रिया -



भाषायी कौशल (Language Skills)

श्रवण कौशल

मनुष्य में भाषा सीखने की प्रवृत्ति स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहती है। उसकी इस प्रवृत्ति का प्रमाण शैशवावस्था में मिल जाता है। जब वह अनुकरण के माध्यम से अपने माता-पिता तथा घर के अन्य सदस्यों से ध्वनियाँ ग्रहण करता है, ध्वनि समूहों को समझने लगता है और उन्हें बोलने लगता है। ये ध्वनियाँ ही बच्चे के भाषा ज्ञान का आधार बनती हैं अतः यह स्वाभाविक प्रवृत्ति ही उसे भाषा सीखने की ओर प्रशस्त करती है। अच्छी प्रकार से सुनने के कारण ही बालक ध्वनियों के सूक्ष्म अंतर को समझ पाता है। भाषा शिक्षण की प्रक्रिया सामान्य रूप से विद्यालयों में इसके माध्यम से ही प्रारम्भ होती है। शिक्षक द्वारा श्रवण कौशल को विकसित करने के लिए छात्रों की रुचि का ध्यान रखते हुए उसके समक्ष सामग्री प्रस्तुत की जाती है, क्योंकि रुचिपूर्ण तथ्यों को छात्र ध्यानपूर्वक श्रवण करता है। कई बार ऐसा देखा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों की रुचि का ध्यान रखे बिना उन्हें कुछ ऐसा सुना देते हैं जिसमें उनकी रुचि नहीं होती। परिणामस्वरूप उनकी रुचि श्रवण में धीरे-धीरे कम होने लगती है। अगर शिक्षक इसके विपरीत कार्य करें जैसे कि ऐसा कुछ सुनाए जिसे विद्यार्थी सुनना पसंद करते हो तो धीरे-धीरे विद्यार्थी श्रवण में रुचि लेने लगता है और बाद में व्याकरण जैसे नीरस विषयों को सुनने के लिए तैयार हो जाता है।

श्रवण कौशल के उद्देश्य -

- सुनकर अर्थग्रहण करने की योग्यता का विकास करना।
- इससे ध्वनियों के सूक्ष्म अंतर को पहचानने की क्षमता विकसित होती है।
- विद्यार्थियों की मौलिकता में वृद्धि करना।
- विद्यार्थियों का मानसिक एवं बौद्धिक विकास करना।
- विद्यार्थियों में भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि पैदा करना।
- विद्यार्थियों को साहित्यिक गतिविधियों में भाग लेने व सुनने के लिए प्रेरित करना।
- श्रुत सामग्री के विषय को भली-भाँति समझने की योग्यता उत्पन्न करना।
- भावों, विचारों व तथ्यों का मूल्यांकन कर सकना।
- श्रवण के माध्यम से विद्यार्थियों में विभिन्न प्रकार के शब्दों को सुनकर उनके मूल भाव को समझने की दक्षता का विकास करना।
- श्रवण किये जाने वाले विभिन्न प्रकार के शब्द एवं वाक्यों के बीच संबंध स्थापित करना।
- वक्ता के भावों को समझकर उनके अनुरूप अपनी क्रियाओं को निश्चित करना है।
- श्रवण की गई जानकारी को अपने दैनिक जीवन से संबद्ध करने की कुशलता का विकास करना।

भाषायी कौशल (Language Skills)

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Oral Expression Skill/Speaking)

मौखिक अभिव्यक्ति का अर्थ सामान्यतः बोलने की प्रक्रिया से है। जब विद्यार्थी अपने विचारों एवं भावों को स्पष्ट रूप से प्रकट करने का प्रयास करता है, तो उसे मौखिक अभिव्यक्ति का सहारा लेना पड़ता है। मानव अधिकतर अपनी अनुभूतियों एवं मन के भावों को व्यक्त करने के लिए मौखिक भाषा का ही प्रयोग करता है। मौखिक अभिव्यक्ति में विद्यार्थियों की मौखिक अभिव्यक्ति के आधार पर ही उनकी अभिव्यक्ति का मूल्यांकन किया जाता है। जब एक विद्यार्थी सस्वर एवं धारा प्रवाह रूप में बोलते हुए अपने विचारों को प्रस्तुत करता है, तो यह माना जाता है कि उसमें मौखिक अभिव्यक्ति कौशल की योग्यता है। वहीं जब कोई विद्यार्थी इसमें निष्फल होता है तो कहा जाता है कि वह मौखिक अभिव्यक्ति कौशल को पूर्णरूप से आत्मसात नहीं कर सका। मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के लिए कहीं-कहीं पर वाचन कौशल जैसे शब्द का भी प्रयोग देखने को मिलता है। आधुनिक युग में जीवन की सफलता का आधार बहुत हद तक हमारी मौखिक अभिव्यक्ति पर निर्भर करता है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में हमें मौखिक अभिव्यक्ति का सहारा लेना पड़ता है।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का महत्व - मौखिक अभिव्यक्ति कौशल एक महत्वपूर्ण कौशल है। मौखिक भाषा ही अभिव्यक्ति का सहज व सरल सरलतम माध्यम है। मौखिक अभिव्यक्ति में अनुकरण अभ्यास के अवसर बराबर मिलते रहते हैं। मौखिक भाषा के प्रयोग में कुशल व्यक्ति, अपनी वाणी से जादू जगा सकता है। लोकप्रिय नेताओं के भाषण इसी बात का प्रमाण है। इस तरह से विचारों के आदान-प्रदान में नई-नई जानकारियाँ मिलती हैं। अशिक्षित व्यक्ति का सबसे बड़ा धन उसकी मौखिक भाषा ही होती है। दैनिक कार्यों में मौखिक भाषा प्रयुक्त होती है। मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का महत्व समझने के लिए निम्नलिखित बिन्दुओं को समझना आवश्यक है।

- 1- मौखिक अभिव्यक्ति का प्रमुख साधन वाचन कौशल है। इसके आधार पर ही बालकों की योग्यता एवं प्रतिभा को पहचानकर उनका विकास किया जा सकता है।
- 2- रोज़मर्रा के जीवन में सभी कार्य वाचन कौशल के आधार पर ही सम्भव होते हैं। ऐसा माना जाता है कि वाक्पटु व्यक्ति को जीवन में अधिक सफलता मिलती है।
- 3- अच्छा वक्ता कठिन विचारों को भी सरल रूप में लोगों के समक्ष रख पाने में सफल होता है।